

लूटपाट दे. लूटखसोट।

लूटमार दे. लूटखसोट।

लूटा स.क्रि. (तद्.) लूटना क्रिया का भूतकालिक रूप।

लूटि अव्य. (देश.) लूटकर स्त्री. (तद्.) लूट।

लूण पुं. (तद्.) नमक वि. 1. नमकीन 2. सुंदर।

लूत पुं. (हिब्रू.) यहूदियों के एक पैगंबर।

लूता स्त्री. (तत्.) 1. मकड़ी 2. मकड़ी के स्पर्श के कारण होने वाला त्वचा रोग, ऐसे फफोले 3. चींटी।

लूतामय पुं. (तत्.) मकड़ी के स्पर्श से उत्पन्न रोग, मकड़ी रोग।

लूती वि. (अर.) 1. अस्वाभाविक मैथुन करने वाला 2. ढीठ, दुःसाहसी।

लून वि. (तत्.) कटा हुआ, नुचा हुआ पुं. (तद्.) नमक।

लूनक पुं. (तद्.) एक साग जो स्वाद में कुछ नमकीन होता है, सज्जी खार, अमलोनी।

लूबरर स्त्री. (देश.) लोमड़ी।

लूम पुं. (तत्.) 1. पूँछ, दुम, लांगुल 2. चक्र, फेरा 3. संपूर्ण जाति का एक राग जिसमें सभी शुद्ध स्वर लगते हैं (देश.) कलाबत्तू की लच्छी (अं.) कपड़ा बुनने का करघा। loom

लूमड़ी स्त्री. (तद्.) लोमड़ी।

लूमना अ.क्रि. (तद्.) 1. लटकना 2. हिलना 3. झूलना 4. बादलों का घिरना या छा जाना 5. चक्कर खाना।

लूमर वि. (देश.) आयु में बड़ा, वयस्क।

लूमविष वि. (तत्.) ऐसा जंतु जिसकी पूँछ में विष हो जैसे- बिच्छू।

लूरना अ.क्रि. दे. लुरना।

लूला वि. (तद्.) 1. वह जिसका हाथ कटा हुआ हो, टुंडा, लुंजा 2. ला.अर्थ कोई काम करने में साधनहीन होने से असमर्थ।

लूलू वि. (तद्.) मूर्ख, बुद्धिहीन, लल्लू।

लूसना स.क्रि. (तद्.) नष्ट करना (देश.) चौका लगाना।

लूह/लूहर स्त्री. (देश.) ग्रीष्म ऋतु की गरम हवा, लू।

लेंड पुं. (तद्.) शौच के समय निकलने वाला बंधा हुआ, सूखा मल, ऐसे मल की बत्ती।

लेंडी स्त्री. (तद्.) 1. लेंड का स्त्रीलिंग रूप, कम मोटा लेंड 2. लगभग गोल आकार का लेंड, मैंगनी।

लेंस पुं. (अं.) शीशे का ऐसा पारदर्शी टुकड़ा जो आकृति को दूर-पास, छोटा-बड़ा या धुँधला-स्वच्छ देखने में सहायक होता है जैसे- चश्मे का लेंस, कैमरे का लेंस आदि, ताल, शुद्ध शब्द है लेन्स।

लेंहड़ा पुं. (देश.) जानवरों का झुंड।

ले अव्य. (देश.) 1. लेकर 2. संबोधन के रूप में प्रयुक्त जैसे- ले, मैं आ गया, 3. तक, पर्यंत।

लेइ अव्य. (देश.) 1. तक, पर्यंत 2. लेकर।

लेई स्त्री. (देश.) 1. अवलेह 2. कागज से ईंट तक जोड़ने या चिपकाने वाला कुछ गाढ़ा लेसदार पदार्थ।

लेई-पूँजी स्त्री. (देश.+तद्.) सारी संपत्ति।

लेक्चर पुं. (अं.) भाषण, व्याख्यान मुहा. लेक्चर झाड़ना- उबाऊ उपदेशात्मक बातें करना। lecture

लेक्चरबाज वि. (अं.+फा.) 1. प्रायः लेक्चर देने वाला 2. अनावश्यक बोलते रहने वाला।

लेक्चरबाजी स्त्री. (अं.+फा.) लेक्चरबाज होने की क्रिया या भावना।

लेक्चरर वि. (अं.) 1. व्याख्यान देने वाला 2. महाविद्यालयों में अध्यापन करने वाला lecturer

लेख पुं. (तत्.) 1. लिखावट writing 2. गद्य में प्रकट किए गए विचारों का सूत्रबद्ध संकलन essay 3. पुरातत्व से संबंधित लिखित दस्तावेज